शुष्क वन अनुसंधान संस्थान में दिनांक 5 जून 2018 को मनाया गया, "विश्व पर्यावरण दिवस"

दिनांक 5.6.18 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर में "विश्व पर्यावरण दिवस " मनाया गया जिसमें संस्थान के वैज्ञानिक/अधिकारी/शोधार्थी/कार्मिक , वन विभाग राजस्थान , जोधपुर के कार्मिक , मरु वन प्रशिक्षण केंद्र, जोधपुर के क्षेत्रीय वन अधिकारी, पर्यावरण प्रेमी, विद्यार्थी इत्यादि ने भाग लिया। कार्यक्रम में वन संरक्षक जोधपुर, श्री आर. के. जैन एवं उप वन संरक्षक, जोधपुर श्री हनुमाना राम भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर ''प्लास्टिक प्रदूषण'' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न वक्ताओं ने संभाषण एवं प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण एवं इससे मुक्ति पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, रेलवे के मण्डल रेल प्रबन्धक श्री गौतम अरोरा ने कहा कि इतने महत्वपूर्ण विषय पर विभिन्न प्रस्तुतीकरण/ संभाषण से बहुत जानकारी बढ़ी है तथा हमें पर्यावरण दिवस को मनाने के साथ साथ भविष्य के लिए सुरक्षित एवं संरक्षित पर्यावरण के लिए सतत प्रयास करते रहने का जज़्बा कायम रखना हैं । उन्होंने कहा कि प्लास्टिक का रिसाइकल (Recycle) अथवा अपसाईकल (Upcycle) जिसके लिए जैसा संभव हो, सम्मलित प्रयास कर सकते हैं तथा इस तरह के छोटे बड़े प्रयास करते रहना चाहिए। उन्होंने रेलवे दवारा पर्यावरण के संबंध में की गयी पहल की भी जानकारी दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री रघुवीर सिंह शेखावत , भा.व.से. ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण यह है कि प्लास्टिक का हम उत्तरदायी पूर्ण (responsible) उपयोग करें, इसे इधर-उधर नहीं फेकें। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण के बारे में समुद्रों से संबन्धित बहुत काम हुआ है , लेकिन शहरों के भी हालात इस संबंध में अच्छे नहीं हैं , गाँव भी अब इससे नहीं बचे हैं , यह हमारे जीवन में गहरा उतर गया है । श्री शेखावत ने ज़ोर दिया कि हम प्लास्टिक प्रदूषण के प्रति ज़िम्मेदारी पूर्ण व्यवहार करें तथा इससे छुटकारा पाने के लिए छोटे-छोटे योगदान करते रहें।

संस्थान के निदेशक डॉ. इंद्रदेव आर्य ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज का विषय गंभीर है इससे (प्लास्टिक प्रदूषण से) छुटकारा पाना है , वरना संकटपूर्ण स्थिति हो जाएगी। डॉ. आर्य ने प्लास्टिक समस्या के समय के साथ कैसे बढ़ी, इसका जिक्र भी किया।

समूह समन्वयक (शोध) डॉ. रंजना आर्या ने कहा कि यह प्लास्टिक युग (Plastic Age) है लेकिन इसके अति उपयोग से समस्या हुई है । डॉ. आर्या ने कहा कि इसके उपयोग में हमें खुद को कमी करनी पड़ेगी , इसे जिम्मेदाराना तरीके से रीसायकल (recycle) करना होगा तथा कहा कि अगर प्लास्टिक हटाना है तो इसके उपयुक्त विकल्प (substitute) लाने होंगे।

संस्थान के वैज्ञानिक़ - जी डॉ. जी. सिंह ने प्लास्टिक प्रदूषण - खतरे एवं नियंत्रण के उपाय (Plastic Pollution - Threats and Control Measures) विषय पर अपने प्रस्तुतीकरण द्वारा विभिन्न प्रकार के प्लास्टिक, प्लास्टिक के उपयोग एवं समस्याएँ , प्लास्टिक प्रदूषण , प्लास्टिक प्रदूषण के प्रभाव , पशु स्वास्थ , वायु प्रदूषण, जल निकासी नालों का ब्लोकेज इत्यादि पर विस्तृत वैज्ञानिक एवं तकनीकी जानकारी दी।

वैज्ञानिक-एफ डॉ. तरुण कान्त ने "चोक्ड बाय प्लास्टिक " (Choked By Plastic) विषय पर अपने प्रस्तुतीकरण में प्लास्टिक प्रदूषण की गंभीरता को बताया तथा वैज्ञानिक विश्लेषण की पृष्ठभूमि में इससे स्वास्थ्य के ऊपर होने वाले प्रभाव , समुद्र को पहुँचने वाले नुकसान , कचरे में प्लास्टिक का भाग , रीसायकल (recycle), लेंडफिल (landfill), पानी की बोतल आदि के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कितना अपशिष्ट उत्पादित (waste produce) कर दिया है और हम जब तक रुकेंगे नहीं , ये रुकेगा नहीं। डॉ. कान्त ने एकल उपयोग प्लास्टिक (single use plastic) के बारे में जानकारी दी तथा इसको कम करने पर ज़ोर देते हुए इसको कम करने के विभिन्न उपाय बताए।

वैज्ञानिक डॉ. यू. के. तोमर ने अपने उद्बोधन में बताया कि चीजें जरूरत के हिसाब से तैयार होती हैं लेकिन इनका उपयुक्त प्रबंधन नहीं होता है तो समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। प्लास्टिक को भी हम उपयुक्त तरीके से

रीसायकल (recycle) करेंगे तो समस्या का निदान होगा , चीजों को ऐसे ही नहीं फेंके , हमें इसके प्रबंधन के तरीके में सुधार करना होगा तो समाधान निकल आएंगें।

श्री गणेश प्रजापति ने बाजार से सब्जी आदि लाने के लिए थैला घर से ले जाने पर ज़ोर दिया ताकि प्लास्टिक का इस्तेमाल ना करना पड़े। उन्होंने बताया कि किस तरह पानी की बोतल से पानी में प्लास्टिक घुलता जाता है इसलिए हमें प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करना चाहिए। संस्थान के प्र. श्रे. लि. श्री लक्ष्मण मेघवाल ने भी थैला ले जाने एवं उसमें समान लाने पर ज़ोर दिया । बी.एस.सी. के विद्यार्थी श्री राकेश ने आंकड़ों के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण की गंभीरता उजागर करते हुए महासागर में इसके प्रदूषण , मानवीय स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव, बोतल पानी , प्लास्टिक प्रदूषण एवं.बीमारियों इत्यादि का जिक्र करते हुए इससे जागरूक रहने की आवश्यकता प्रतिपादित की तथा इसके रीसायकल (recycle) से उसका निदान बताया।

इससे पूर्व कार्यक्रम के प्रारम्भ में विश्व पर्यावरण दिवस 2018 एवं इसके विषय - प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्ति (Theme - Beat Plastic Pollution) के बारे में जानकारी श्री उमाराम चौधरी , भा. व. से. , प्रभागाध्यक्ष, विस्तार ने दी तथा विश्व पर्यावरण दिवस 2018 के लिए संस्थान द्वारा 15. .5.18 से किए गए कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी।

विश्व पर्यावरण दिवस 2018 के लिए दिनांक 5 .6.18 को प्रातः आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्य अतिथि के कर कमलों से पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन श्री उमाराम चौधरी द्वारा किया गया। विस्तार प्रभाग के सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ , बिलास सिंह ने धन्यवाद ज्ञपित किया। कार्यक्रम में श्रीमती कुसुम लता परिहार , तकनीकी अधिकारी , श्री महिपाल बिश्नोई , तकनीकी अधिकारी , श्री धानाराम, तकनीकी अधिकारी , श्रीमती मीता सिंह तोमर , तकनीशियन, श्री तेजाराम एवं सूचना प्रभाग के श्री राजेश मीणा, तकनीशियन, ज्योति प्रकाश चौबे का सहयोग रहा।

June 5, 2018 WORLD ENVIRONMENT DAY

June 5, 2018 WORLD ENVIRONMENT DAY

पेंटिंग प्रतियोगिता

विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून 2018) के अवसर पर शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर में ''प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्ति'' (Beat Plastic Pollution) विषय पर एक पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें विभिन्न स्कूलों के 59 विद्यार्थियों ने भाग लिया। ये प्रतियोगिता दो समूहों में (1.) कक्षा 5 से 8 एवं (2.) 9 से 12 के लिए आयोजित की गयी तथा समस्त प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. आई. डी. आर्य ने पेड़ों की महत्ता बताते हुए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने, इनके संरक्षण तथा लगे हुए पेड़ों में पानी भी डालने का आहवान किया।

दोनों ही समूह में निम्न प्रतिभागियों को विश्व पर्यावरण दिवस 2018 के आयोजन के अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार दिये गए।

समूह - 1 कक्षा 5 से 8

दिव्यान्शु चौधरी, कक्षा 7वी- सेंट एंस स्कूल (प्रथम) , राजश्री यादव, कक्षा 7वी, डी.पी.एस. पाल रोड (द्वितीय), समीक्षा गुप्ता, कक्षा 8वी , जैन मेमोरियल स्कूल (द्वितीय) , वानी सिन्हा , कक्षा 7वी - डी.पी.एस . पाल रोड (तृतीय), यश मेहता, कक्षा 7वी - डी.पी.एस. पाल रोड (तृतीय)

समूह - 2 कक्षा 9 से 12

यशस्वी सोनी, कक्षा बारहवीं, सेंट पेट्रिक्स विद्या भवन (प्रथम), प्रिंस चौधरी, कक्षा -12वीं, महेश पब्लिक स्कूल (प्रथम), जसोदा कक्षा 9वी, (द्वितीय), ऐश्वर्या यादव, कक्षा 9वीं, (द्वितीय), मिली खत्री, कक्षा ग्यारहवीं (तृतीय)

इससे पहले विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 15.5.18 से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जो निम्नलिखित हैं।

1. **"पर्यावरण एवं प्लास्टिक प्रदूषण" पर शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर में दिनांक 15/05/2018 को परिचर्चा का आयोजन**

'विश्व पर्यावरण दिवस' -2018 के उपलक्ष में ली जाने वाली गतिविधियों के क्रम में दिनांक 15/05/2018 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान ,जोधपुर में *"पर्यावरण एवं प्लास्टिक प्रदूषण"* विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के वैज्ञानिकों/अधिकारियों/कार्मिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. आई.डी. आर्य ने कहा कि बढ़ता हुआ प्रदूषण एक गंभीर समस्या है जिसके बारे में हम सबक़ों सोचना होगा तथा इसके लिए समाज के प्रति हमारा दायित्व है एवं समाज में इस हेतु जागरूकता लानी होगी । डॉ. आर्य ने प्लास्टिक प्रदूषण पर सभी का ध्यानाकर्षण करते हुए इसका कैसे निस्तारण कर सकते हैं, इस पर चर्चा की। डॉ. जी. सिंह, वैज्ञानिक - जी ने कहा कि प्लास्टिक का निस्तारण (Disposal) करना भी एक समस्या है क्योंकि इसे जलाने में जहरीली गैसें निकलती हैं , इसलिए इसे जलाना भी खतरनाक है। उन्होंने प्लास्टिक के उपयुक्त निस्तारण पर ज़ोर दिया।

इससे पूर्व परिचर्चा के प्रारम्भ में विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमा राम चौधरी , भा.व.से. ने पर्यावरण एवं इसके घटक जैसे हवा ,पानी इत्यादि का जिक्र करते हुए इनके संरक्षण ,वृक्ष की महत्ता तथा पर्यावरण संरक्षण में इनकी भूमिका आदि की विस्तृत व्याख्या की। श्री चौधरी ने वायु प्रदूषण ,जल की कमी/घटते भूजल स्तर, पोलिथीन एवं प्लास्टिक प्रदूषण के विभिन्न आयामों , इनसे फैलते प्रदूषण ,कचरा प्रबंधन इत्यादि की विस्तार से चर्चा की । पर्यावरण एवं प्लास्टिक प्रदूषण विषयक इस परिचर्चा में वैज्ञानिक डॉ. सरिता आर्य , श्रीमती सीमा कुमार, श्री करना राम चौधरी - सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री लक्ष्मण मेघवाल - प्र. श्रे. लि., श्री कुलदीप शर्मा - तकनीशियन ने भी भाग लिया।

विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी ,भा.व.से. ने विश्व पर्यावरण दिवस-2018 के संबंध में प्राप्त निर्देशों एवं इस हेतु ली जाने वाली आगामी विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। संस्थान के निदेशक डॉ. आई.डी. आर्य ने सभी से विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया । परिचर्चा का संचालन एवं समन्वयन विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी ने किया। कार्यक्रम में विस्तार प्रभाग के श्री महिपाल बिश्नोई, श्री तेजा राम एवं सुविधा एवं सेवा प्रभाग के श्री ज्योति प्रकाश का सहयोग रहा।

2. शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में प्लास्टिक मुक्त सफाई अभियान दिनांक 19/5/18

विश्व पर्यावरण दिवस 2018 के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों के क्रम में दिनांक 19/5/18 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान के मुख्य परिसर में संस्थान के निदेशक डॉ. आई. डी. आर्य के नेतृत्व में प्लास्टिक मुक्त सफाई अभियान रखा गया, जिसमें संस्थान के स्टाफ/शोधार्थियों ने भाग लिया। "हरा भरा आफरी, साफ सुथरा आफरी" के तहत अभियान के दौरान पॉलीथीन , प्लास्टिक एवं अन्य कचरे को इकट्ठा कर सफाई अभियान चलाया गया।

June 5, 2018 | WORLD ENVIRONMENT DAY

3. स्काउट गाइड/ रोवर रेंजर के दल का विस्तार एवं निर्वचन केंद्र, आफरी का भ्रमण

दिनांक 22/5/18 को राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड मण्डल मुख्यालय , जोधपुर के स्काउट गाइड/ रोवर रेंजर के 16 सदस्यीय दल ने श्रीमती शकुंतला पांडे , व्याख्याता, श्रीमती कांता शर्मा , वरिष्ठ अध्यापिका, श्री पारसराम पटेल, वरिष्ठ अध्यापक , श्री सुशील कुमार कुशवाह , वरिष्ठ अध्यापक के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित अनुसंधान संबंधी सूचनाओं एवं अन्य सामग्री का अवलोकन किया। विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. ने इन्हें वहाँ प्रदर्शित परिभ्रंषित पहाड़ियों का पुनर्वासन, टिब्बा स्थिरीकरण, जल प्लावित भूमि का पुनर्वासन, लवण प्रभावित भूमि का पुनर्वासन, कृषि-वानिकी/सिल्वीपाश्चर मॉडल इत्यादि सूचनाओं तथा वनोत्पाद सामग्री की जानकारी दी। श्री चौधरी ने भ्रमणकारी दल को संभाषण के माध्यम से हवा , पानी, मृदा जैसे पर्यावरण के महत्वपूर्ण घटकों की महत्ता एवं वर्तमान परिपेक्ष्य में इनके प्रदूषित/ परिभ्रंषित होने के बारे में विस्तृत व्याख्या की तथा पेड़ों से होने वाले प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभों की जानकारी देते हुए इनकी महत्ता तथा पर्यावरण के विभिन्न घटकों के संरक्षण में इनकी भूमिका की चर्चा की। श्री चौधरी ने अपने संभाषण में पॉलीथीन/प्लास्टिक से होने वाले दुष्प्रभाव एवं प्रदूषण , स्वच्छता, कचरा प्रबंधन इत्यादि का जिक्र करते हुए पर्यावरण संरक्षण की महता प्रतिपादित की।

4. विश्व पर्यावरण दिवस - 2018 के उपलक्ष्य में पौधरोपण कार्यक्रम

दिनांक 23/5/18 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, चैनपुरा, जोधपुर में विश्व पर्यावरण दिवस-2018 के आयोजन के क्रम में पौधरोपण कार्यक्रम रखा गया, जिसमें जोधपुर जिले के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के अध्यापक-गण ने भाग लिया। इस अवसर पर कचनार, नीम, शीशम, पीपल, पारस पीपल एवं गूँदी इत्यादि के पौधे रोपित किए गए। इससे पूर्व विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने "पर्यावरण एवं प्लास्टिक प्रदूषण" विषय पर संभाषण के माध्यम से स्कूल (रा.उ.मा.वि. चैनपुरा , जोधपुर) में आयोजित "डिप्लोमा इन एलीमेंटरी एजुकेशन (Diploma in Elementary Education) की कार्यशाला के प्रतिभागियों (जोधपुर जिले के विभिन्न राजकीय एवं निजी विद्यालयों के 129 शिक्षकगण) को पर्यावरण, इसके महत्व एवं संरक्षण पर विस्तृत जानकारी दी। श्री चौधरी ने पर्यावरण के वायु, जल मृदा जैसे महत्वपूर्ण घटकों की महत्ता, उनका वर्तमान पर्यावरणीय परिदृश्य परिभ्रंसित होना/प्रदूषित होना आदि की विस्तृत चर्चा करते हुए पर्यावरण संरक्षण की महत्ता बताई। श्री चौधरी ने वृक्षों से प्राप्त प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभों की चर्चा करते हुए पर्यावरण संरक्षण में इनकी अहमियत और भूमिका भी बताई। साथ ही श्री चौधरी ने पॉलीथीन/प्लास्टिक से होने वाले

पर्यावरणीय दुष्प्रभाव, स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, वायु प्रदूषण, कम होता जल/ घटते जल स्तर की भी विस्तार से चर्चा करते हुए पर्यावरण के संरक्षण की आवश्यकता प्रतिपादित की । श्री कमलेश तिवारी , प्राचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पड़ासला, जोधपुर ने भी प्लास्टिक प्रदूषण के पर्यावरण पर पड़ते कुप्रभाव की चर्चा की।

संस्थान द्वारा प्रकाशित प्रचार-प्रसार साहित्य भी उपलब्ध कराया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में स्कूल (रा.उ.मा.वि. चैनपुरा, जोधपुर) के प्राचार्य श्री गौरी शंकर व्यास की सक्रिय सहभागिता रही। पौधरोपण कार्यक्रम में विस्तार प्रभाग के श्री उमाराम चौधरी ने पौधारोपण की तकनीक उपस्थित शिक्षकगण को बताई।

कार्यक्रम में नर्सरी प्रभारी , श्री सादुलराम देवड़ा एवं श्री धानाराम , तकनीकी अधिकारी , विस्तार प्रभाग का सहयोग रहा।

5. स्काउट/गाइड के 117 सदस्यीय दल का दिनांक 25/05/18 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण

दिनांक 25/5/18 को स्काउट/गाइड के मण्डल स्तरीय ग्रीष्मकालीन अभिरुचि केंद्र , शाहपुरा, जोधपुर के 110 संभागीय बालक व बालिकाओं ने स्टाफ श्री बाबूसिंह राजपुरोहित , सहायक राज्य संगठन आयुक्त , श्री छत्तर सिंह पीड़ीयार सर्कल ओर्गनाइज़र, श्रीमती शकंतुला पांडे, व्याख्याता एवं शिविर संचालिका, श्रीमती कांता शर्मा, वरिष्ठ प्राध्यापक एवं ट्रेनर, श्री सुशील कुमार कुशवाह, वरिष्ठ प्राध्यापक एवं ट्रेनर, श्री पारस राम पटेल, वरिष्ठ प्राध्यापक एवं ट्रेनर, श्री अजयपाल सिंह , व्याख्याता के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर का भ्रमण किया। संस्थान के निदेशक , डॉ. आई.डी.आर्य ने सभी का संस्थान में स्वागत करते हुए स्काउटिंग के अपने अनुभव सांझा किए । डॉ. आर्या ने स्काउटिंग द्वारा पोलिथीन साफ करने जैसे पर्यावरण से जुड़े कार्यों के लिए धन्यवाद किया तथा आहवान किया कि स्काउट्स इसी तरह से पर्यावरण संरक्षण के कार्य करते रहे। डॉ. आर्य ने कहा कि पेड़ हमें ऑक्सीज़न देते हैं, इसलिए इनका संरक्षण आवश्यक है। उन्होंने बालक बालिकाओं से भ्रमण के दौरान वन एवं पर्यावरण संबंधी जानकारी लेने का आहवान किया। इससे पूर्व सर्कल ऑर्गनाइज़र श्री छत्तर सिंह ने भ्रमणकारी दल के बारे में जानकारी दी । विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. ने पावर-पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान एवं संस्थान की शोध गतिविधियों से संबन्धित जानकारी दी।

भ्रमणकारी दल को संस्थान परिसर में स्थित चन्दन , बादाम, कुमट, अमलतास इत्यादि प्रजातियों की भी जानकारी श्री चौधरी द्वारा दी गयी। भ्रमणकारी दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर विभिन्न पोस्टरों के माध्यम से वहाँ पर प्रदर्शित अनुसंधान संबंधी सूचनाओं एवं वनोपज़ इत्यादि वानिकी से संबन्धित सामग्री का रुचिपूर्ण अवलोकन किया। यहाँ पर श्री चौधरी ने भ्रमणकारी दल को परिभ्रंषित पहाड़ियों

का पुनर्वासन, टिब्बा स्थिरीकरण, जलप्लावित भूमि का पुनर्वासन , लवण प्रभावित भूमि का पुनर्वासन , कृषि वानिकी से संबन्धित, वृक्षों से संबन्धित जानकारी भ्रमणकारी दल को करवायी।

भ्रमणकारी दल ने संस्थान की प्रायोगिक/उच्च तकनीक पौधशाला तथा पौधशाला स्थित औषधीय पौधों के जर्मप्लाज्म बैंक का अवलोकन किया। पौधशाला भ्रमण के दौरान श्री उमाराम चौधरी ने मुलेहठी , फॉग, फालसा, पनीरबन्ध, अपामार्ग, गुडमार, लेमनग्रास, शतावरी, भृंगराज, जंगली अजवायन , ग्वार-पाठा इत्यादि औषधीय पौधों एवं गुग्गल, रक्त-चन्दन जैसी प्रजातियों का अवलोकन करवाया तथा जानकारी दी।

भ्रमणकारी दल को नर्सरी के विभिन्न पहलुओं, मिश्रण, कम्पोस्ट, धुंध कक्ष इत्यादि की जानकारी भी दी गयी। भ्रमणकारी दल को भ्रमण के दौरान पेड़ों की महत्ता बताते हुए पौधे लगाने एवं इनके संरक्षण का आह्वान किया गया। नर्सरी प्रभारी श्री सादुलराम देवड़ा ने भी नर्सरी भ्रमण में नर्सरी तथा पेड़ों संबंधी जानकारी में सहयोग दिया।

भ्रमण कार्यक्रम का समन्वयन एवं संचालन विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. द्वारा किया गया। भ्रमण कार्यक्रम में विस्तार प्रभाग की श्रीमती कुसुमलता परिहार, तकनीकी अधिकारी, श्री धानाराम, तकनीकी अधिकारी एवं श्री तेजाराम तथा सूचना प्रकोष्ठ के श्री ज्योति प्रकाश चौबे , श्री सुनील एवं नर्सरी के श्री शैलेंद्र का भी सहयोग रहा।

अजैविक कारण

PRODUCTIVITY ENHANCEMENT FOR
SALT AFFECTED SOILS OF GUJARAT

AFFORESTATION TECHNIQUES FOR

June 5, 2018 | WORLD ENVIRONMENT DAY